Nai Dunia (Indore), 28th April 2023, Nai Dunia City, Page – I

नए क्षेत्र में नई उड़ान...

आइआइटी में विद्यार्थियों को मिल रहा नए कोर्स का एक्सपोजर। फाइल फोटो

कोरोना महामारी के बाद दुनियाभर में मेडिकल क्षेत्र में विशेषज्ञों की जरूरत बढ़ गई है। इसमें डाक्टर के साथ ही दवाई वैक्सीन पर कार्य करने वाले विशेषज्ञों की भी तलाश तेज हो गई है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर ने इस विराट अवसर को सबसे पहले भांपा और नए–नए कोर्स आरंभ कर दिए हैं। इनमें से एक है बायोमेडिकल क्षेत्र में एमटेक। दिलचस्प यह कि इस क्षेत्र में कार्य करने के मामले में इंदौर आइआइटी देश में सबसे तेजी से आगे बढ़ रहा है।

करियर की नई फील्ड पहचान कर शुरू किया बायोमेडिकल क्षेत्र में एमटेक

ग्रेजुएट एप्टीट्यूट टेस्ट इन इंजीनियरिंग के स्कोर कार्ड के आधार पर दो वर्ष के मास्टर कोर्स में मिलेगा प्रवेश

200 से ज्यादा सीटें बढ़ीं हैं 2023–24 में विभिन्न बीटेक व एमटेक के नए कोर्स में

किस विषय में कितने कोर्स करवाए जा रहे

- **9** क्षेत्रों में बीटेक कोर्स
- **15** कोर्स एमटेक से संबंधित
- **12** से ज्यादा विषयों में पीएचडी
- **6** कोर्स एमएस रिसर्च में
- **16** कोर्स डाक्टर आफ फिलासफी में

गजेन्द्र विश्वकर्मा

आइआइटी इंदौर ने हाल ही में बायोमेडिकल इंजीनियरिंग इन एमटेक कोर्स शुरू किया है। इसके तहत प्रतिभागियों को बायोमेडिकल इंजीनियरिंग की सभी बारिकियां कोर्स में बताई जाएंगी। दो साल के कोर्स में प्रवेश ग्रेजुएट एप्टीट्यूट टेस्ट इन इंजीनियरिंग (गेट) से होगा। कोर्स में सामान्य फिजियोलाजी, बायो मेटेरियल्स एंड बायो नैनो बायोटेक्नोलाजी, जैव प्रौद्योगिकी, बायो इलेक्ट्रानिक्स एवं बायोमेडिकल सेंसर, टिशू इंजीनियरिंग एवं पुनर्योजी चिकित्सा, एक्सपेरिमेंटल टेक्निक्स, लेबोरेट्री, बायोमेडिकल इंस्ट्रूमेंटेशन जैसे विषय पढ़ाए जाएंगे। इंदौर में इसके पहले केवल एसजीएसआइटीएस में ही बायोमेडिकल इंजीनियरिंग में बैचलर डिग्री हुआ करती थी। आइआइटी ने कई अन्य कोर्स भी शुरू किए हैं।

आइआइटी के पास मौजूद हैं आधुनिक संसाधन

अब तक बायोमेडिकल इंजीनियरिंग में एमटेक आइआइटी बाम्बे, मद्रास, दिल्ली और खड़गपुर में करवाया जा रहा था। अब इसमें आइआइटी इंदौर का नाम भी शामिल हो गया है। आइआइटी इंदौर के बायोसाइंसेस एवं बायोमेडिकल इंजीनियरिंग के प्रोफेसर डा. हेमचंद्र झा का कहना है कि दुनियाभर में बायोमेडिकल इंजीनियर की अब बहुत अधिक जरूरत है। इस क्षेत्र में पहले विदेश में काफी काम होता रहा है, लेकिन इसमें अब भारत में अधिक तेजी से काम हो रहा है। इस क्षेत्र में विशेषज्ञों की जरूरत को देखते हुए ही आइआइटी में बायोमेडिकल क्षेत्र में एमटेक कोर्स की शुरुआत की गई है। हमारे पास इस क्षेत्र के सभी आधुनिक संसाधन मौजूद होने से भविष्य में बेहतर विशेषज्ञ तैयार हो सकेंगे।

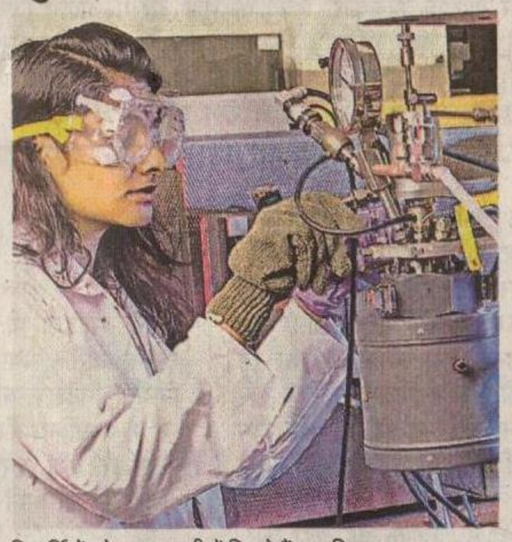

विद्यार्थियों को आइआइटी में मिलते हैं आधुनिक साधन। • फाइल

...और भी कई नए कोर्स का हुआ शुभारंभ

केमिकल इंजीनियरिंग, गणित, कंप्यूटर इंजीनियरिंग, भौतिकी और अंतरिक्ष विज्ञान जैसे विषयों में भी आइआइटी इंदौर ने बीटेक कोर्स शुरू किए हैं। नए एमटेक कोर्स में कंप्यूटर विज्ञान, एप्लाइड आप्टिक्स, लेजर टेक्नोलाजी, स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग और डिफेंस टेक्नोलाजी शामिल हैं। 2023–2024 में आइआइटी इंदौर ने नए बीटेक कोर्स के लिए 120 सीटें रखी हैं, जबकि एमटेक कोर्सेस के लिए 75 सीटों पर प्रवेश मिलेगा। इसके अलावा स्पेस इंजीनियरिंग, थर्मल एनर्जी सिस्टम और इलेक्ट्रिक व्हीकल टेक्नोलाजी में भी संस्थान ने हाल ही में शिक्षा देना शुरू किया है।